>

Title: Need to provide Central relief package to the farmers of Madhya Pradesh who lost their crops due to frost.

श्री भूपेन्द्र सिंह (सागर): माननीय उपाध्यक्ष जी, मध्य प्रदेश में पिछले दिनों तुसार और पाला से पूरे प्रदेश में किसानों की फसलें पूरी तरह से चौपट हो गई हैं। जिसके कारण वहां किसानों की फसलों का लगभग दस हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मध्य प्रदेश सरकार इसमें जो कुछ भी अपने संसाधनों से कर सकती थी, वह उसने करने का प्रयास किया है और लगभग नौ सौ करोड़ रुपये मध्य प्रदेश सरकार वहां किसानों को बांट चुकी है।

महोदय, वहां के मुख्य मंत्री माननीय प्रधान मंत्री जी से मिले, माननीय वित्त मंत्री जी से मिले और मध्य प्रदेश के किसानों की स्थिति से उन्हें अवगत कराया। परंतु मध्य प्रदेश के किसानों की इतनी बड़ी हानि होने के बावजूद भी केन्द्र सरकार की तरफ से कोई राहत राशि या सहायता राशि के रूप में एक पैसे की भी मदद नहीं की गई है। ...(व्यवधान) वहां पर किसान आत्महत्याएं करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप एसोसिएट कर दीजिए।

श्री भूपेन्द्र सिंह : भारत सरकार वहां एक पैसे की मदद नहीं कर रही है और यह कह रहे हैं कि तुसार और पाला प्राकृतिक आपदा की श्रेणी में नहीं आता।

मेरी मांग है कि भारत सरकार इसे प्राकृतिक आपदा की श्रेणी में माने और मध्य प्रदेश के किसानों को सहायता मिलनी चाहिए। आखिर ऐसे कैसे चलेगा। मध्य प्रदेश में इतना बड़ा नुकसान हुआ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : एक ही आदमी बोलिये, आप लोग एसोसिएट कर दीजिए।

श्री भूपेन्द्र सिंह : महोदय, हमारे यहां आने का उपयोग क्या है।

उपाध्यक्ष महोदय : आप सभी एसोसिएट कर लीजिए।

श्री भूपेन्द्र सिंह : यहां सरकार की तरफ से जवाब आना चाहिए। ...(व्यवधान) मध्य प्रदेश में किसानों का इतना बड़ा नुकसान हुआ है, वहां किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं। किसानों का लगभग दस हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है और भारत सरकार एक पैसे की भी मदद नहीं कर रही है।...(व्यवधान) वहां एक पैसे की भी मदद केन्द्र सरकार के द्वारा नहीं दी जा रही है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : यह जीरो ऑवर है, इसमें आपने अपनी बात रख दी। अब हम सरकार को जबरदस्ती नहीं बोल सकते कि आप बोलिये। हम सरकार पर बोलने के लिए दबाव नहीं डाल सकते। आप लोग बैठिये।

–

–

12.34 hrs.

At this stage Shri Govind Prasad Mishra and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये। उन्होंने बोल दिया है। वह विषय यहां आ चुका है। विषय आ गया है तो मंत्री जी भी देखेंगे। आपने अपना विषय रख दिया है।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : हम मंत्री जी पर दबाव नहीं डाल सकते हैं।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : डा.राजन सुशान्त, श्री अर्जुन राम मेघवाल, श्री वीरेन्द्र कश्यप, श्री जितेन्द्र सिंह बुंदेला, श्री गोविन्द प्रसाद मिश्र एवं श्री वीरेन्द्र कुमार अपने आपको इस विषय से सम्बद्ध करते हैं।

The House stands adjourned to meet again at 2.00 p.m.

12.34 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled at One Minute past Fourteen of the Clock.

(Shri Arjun Charan Sethi *in the Chair*)